# न्यायालय उपखण्ड अधिकारी हमीरगढ, जिला भीलवाड़ा

## पीठासीन अधिकारी श्रीमती नेहा छीपा (आर.ए.एस)

प्रकरण संख्या 15/2024

उनवान

1. भैरू पिता धुमा दरोगा नि0 झोपडिया प.ह. मंगरोप द्वितीय तह0 हमीरगढ जिला भीलवाडा(राज.)

——प्रार्थी

बनाम

1 कालू पुत्र सावत दरोगा नि0 झोपडिया तह0 हमीरगढ जिला भीलवाडा।
2 छोटू पुत्र सावत दरोगा नि0 झोपडिया तह0 हमीरगढ जिला भीलवाडा।
3 भवर पुत्र सावत दरोगा नि0 झोपडिया तह0 हमीरगढ जिला भीलवाडा।
4 फुमा पत्नी सावत दरोगा नि0 झोपडिया तह0 हमीरगढ जिला भीलवाडा।
5 पेम पत्नी सावत दरोगा नि0 झोपडिया तह0 हमीरगढ जिला भीलवाडा।
6 भैरूलाल पुत्र बालू सिंह दरोगा नि0 झोपडिया तह0 हमीरगढ जिला भीलवाडा।
7 हरदेव पुत्र बालू सिंह दरोगा नि0 झोपडिया तह0 हमीरगढ जिला भीलवाडा।
8 दौलत सिंह पुत्र लादू सिंह राजपूत नि0 पांसल तह0 भीलवाडा जिला भीलवाडा।
9 कालू पुत्र भैरू गाडरी नि0 किशनावतो की खेडी, भीलवाडा तह0 व जिला भीलवाडा।
10 दयाराम पुत्र भैरू गाडरी नि0 किशनावतो की खेडी, भीलवाडा तह0 व जिला भीलवाडा।
11 देवी लाल पुत्र भैरूलाल गाडरी नि0 झोपडिया मंगरोप तह0 हमीरगढ जिला भीलवाडा।
12 राजस्थान राज्य जरिये तहसीलदार हमीरगढ जिला भीलवाडा।

———अप्रार्थीगण

## प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111–128 राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम 1956

निर्णय दिनांक 09.05.2024

प्रार्थी की ओर से एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111–128 राजस्थान भूँ–राजस्व अधिनियम 1956 के तहत इस कार्यालय में दिनांक **01.02.2024** को प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि **ग्राम झोपडिया प.ह. मंगरोप भू.अ.नि.क्षैत्र मंगरोप हमीरगढ जिला भीलवाडा के खाता संख्या 104 की आ.न. 1048/1 रकबा 0.5058है0, आ.न. 1049/1 रकबा 0.1644है0, आ.न. 1050/1 रकबा 0.5564है0, आ.न. 1051 रकबा 1.2139है0, कुल किता 04 रकबा 2.4405 है0, भूमि स्थित है।** वादग्रस्त भूमि के विपक्षीगण पडौसी है प्रार्थी एवं विपक्षीगण के मध्य प्रश्नगत आराजी के सीमा चिन्ह नही होने से आये दिन सीमा संबंधी विवाद उत्पन्न होता रहा है। इसलिए प्रार्थी अपने खाते की खातेदारी कृषि भूमि की पत्थरगढी कराना चाहता है। आवेदन स्वीकार किया जाकर पत्थरगढी के आदेश प्रदान कराया जावे।

प्रस्तुत प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में दिनांक **05.02.2024** को पंजीबद्ध किया गया। प्रार्थी के अधिवक्ता उपस्थित । विपक्षी संख्या 01 लगायत 11 बावजूद विधिवत प्रकियानुसार सुनवाई का अवसर देने के उपरान्त उपस्थित नही है। अतः न्यायहित में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाती है। प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर प्रार्थी/प्रार्थी अधिवक्ता को सुना गया।

प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर प्रार्थी/प्रार्थी अधिवक्ता को सुना गया। प्रस्तुत बहस पर मनन किया गया तथा पत्रावली में उपलब्ध रेकार्ड का ध्यापपूर्वक अवलोकन किया गया। प्रकरण के अवलोकन से यह तथ्य है कि प्रार्थी स्वंय के खाते की खातेदारी कृषि भूमि की पत्थरगढी कराने का अधिकारी है। वैसे भी इस प्रकार के आदेश से अधिकार अभिलेख में किसी प्रकार के हेराफेरी होने का कोई अंदेशा नही है तथा न ही किसी प्रकार अधिकार/स्वत्व निर्धारित किये जाते है। अतः इन तथ्यो को देखते हुए नैसर्गिक न्याय के सिद्धान्त के आधार पर आवेदन प्रार्थी स्वीकार योग्य है।

–::आदेश::–

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर तहसीलदार हमीरगढ को आदेश दिये जाते है कि **ग्राम झोपडिया प.ह. मंगरोप भू.अ.नि.क्षैत्र मंगरोप हमीरगढ जिला भीलवाडा के खाता संख्या 104 की आ.न. 1048/1 रकबा 0.5058है0, आ.न. 1049/1 रकबा 0.1644है0, आ.न. 1050/1 रकबा 0.5564है0, आ.न. 1051 रकबा 1.2139है0, कुल किता 04 रकबा 2.4405 है0, भूमि स्थित है।** जिसकी पत्थरगढी राजस्थान लैण्ड रेकार्ड नियम 1956 के प्रावधानो मे निर्धारित प्रकिया के अनुसार की जावे तथा नियमानुसार निर्धारित शुल्क 1000/–पक्षकार प्रार्थी राजकोष में जमा करायें, साथ ही कमिश्नर फीस 500/–रू0 की नियमानुसार अदायगी प्रार्थी पक्षकार निर्धारित कमिश्नर को भुगतान करें।

आदेश आज दिनांक 09.05.2024 को खुले न्यायालय में सुनाया जाकर लिखा गया। प्रकरण फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर रहे।

(नेहा छीपा)
उपखण्ड अधिकारी
हमीरगढ

उपखण्ड अधिकारी
हमीरगढ (राज.)

Scanned with OKEN Scanner